



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)

An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : <http://atarik.res.in>
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि.: 08-04-2021

NARI प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि 07-08 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप-अटारी कानपुर द्वारा NARI (Nutri-Sensitive Agricultural Resources and Innovation) प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया। इसकी जानकारी भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने दी।

कार्यशाला में डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भाकृअनुप ने केवीके की प्रेजेन्टेशन देखी और सराहना की। उन्होंने कहा कि यह NARI प्रोजेक्ट महिला आधारित और पोषण आधारित प्रोजेक्ट है। शरीर में सही पोषक तत्व होने के लिये पैसा होना जरूरी नहीं बल्कि जागरूक होना जरूरी है। सही पोषक तत्वों वाली डाइट की जानकारी नहीं है तो कुपोषण के शिकार हो सकते हैं। पहली स्थिति में यदि आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं और जानकारी भी है तो जरूरी पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थ कहीं से भी खरीद के खा सकते हैं। दूसरी स्थिति में उगा कर खा सकते हैं और तीसरी स्थिति में महिलाओं को महिला केन्द्रित कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी जाये। स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जो वातावरण बदलने से भी काफी प्रभावित होता है। एक न्यूट्रीगार्डन हर केवीके में होना चाहिए। 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उनको मास्टर ट्रेनर के रूप में विकसित करें। 10 आंगनवाड़ी सेन्टर्स चिन्हित कर के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से वहां न्यूट्रीगार्डन विकसित करें। आंगनवाड़ी में वाड़ी का मतलब ही बगीचे से होता है। स्थानीय उगने वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें, उनका इस्तेमाल कैसे करना है इसकी जानकारी भी स्थानीय महिलाओं को प्रदान करें। प्रत्येक केवीके 2-3 प्रकार की ही न्यूट्री थाली विकसित करें। भाकृअनुप द्वारा विकसित 75 बायोफोर्टिफाइड किस्में रिलीज की जा चुकी हैं। उनकी जानकारी प्राप्त कर उन पर प्रदर्शन लगाना जरूरी है। जिले में मृदा, पानी आदि में किस प्रकार की कमी है इसकी जानकारी गृह विज्ञान की वैज्ञानिकों को होना आवश्यक है। उदाहरणतः यदि किसी क्षेत्र की मिट्टी में जिंक नहीं होगा तो फसल उत्पाद में जिंक नहीं होगा। NARI प्रोजेक्ट का डाक्यूमेंटेशन करें जिससे राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रोजेक्ट में हो रहे कार्य दिखाये जा सकें।

भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने कहा कि देश में कुपोषण को दूर करने के लिये यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है। केवीके नवीन तकनीकी के अनुरूप प्रदर्शन लगायें और स्थानीय महिलाओं को पोषण वाटिका में उगाये गये उत्पादों की जानकारी दें एवं जिस उत्पाद में पोषण तत्वों की अधिक मात्रा हो उनका एनालिसिस करके उसके प्रचलन हेतु प्रोत्साहन दें एवं प्रशिक्षण दें।

प्रधान वैज्ञानिक (गृह विज्ञान प्रसार) डा. साधना पाण्डेय ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने बताया कि यह पोषण से संबंधित प्रोजेक्ट है, इसका लक्ष्य लोगों में, खासकर महिलाओं और बच्चों में कुपोषण दूर करना और न्यूट्रीशियन्स की वृद्धि करना है। समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों को इस प्रोजेक्ट से जुड़ना है। यह प्रोजेक्ट कृषि विज्ञान केन्द्रों में गृह विज्ञानिकों नेतृत्व में चल रहा है। इसके अन्तर्गत केवीके परिसर में न्यूट्रीशिन गार्डन स्थापित करना और उसकी जानकारी किसानों तक पहुँचाना, आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना, पोषकतत्वों से युक्त पौधों और फसलों की मैपिंग करना, पोषण से भरपूर थाली बनाना आदि प्रमुख है।

कार्यशाला में प्रधान वैज्ञानिक डा. शान्तनु कुमार दुबे, प्रधान वैज्ञानिक डा. राघवेन्द्र सिंह समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के 100 से अधिक अध्यक्ष एवं गृह वैज्ञानिक आनलाइन कार्यशाला में जुड़े।



**ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY
APPLICATION RESEARCH INSTITUTE**
G.T. Road, Rawatpur, (Near Vikas Bhawan)
Kanpur – 208 002

☎(O) : (0512) 2533560
Fax : (0512) 2533560
Web site : <http://atarik.res.in>
E-mail :
zpdicarkanpur@gmail.com

(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED ORGANIZATION)

Dated: 08.04.2021

Review workshop of NARI Project

On 07-08 April 2021, a review workshop of NARI (Nutri-Sensitive Agricultural Resources and Innovation) project was organized online in ICAR-ATARI Kanpur. Dr. Atar Singh, Director of ICAR-ATARI, Kanpur gave this information.

In the workshop, Dr. AK Singh, Deputy Director General (Agricultural Extension) ICAR saw the presentations of KVKs and appreciated it. He said that this project is a women-based and nutritional-based project. Awareness is important for right nutrition. If you do not know the diet with the right nutrients, then you will be malnourished. In the first situation, if you are financially rich and have awareness, then the food items with essential nutrients can be purchased and eaten from anywhere. In second situation, you can grow and eat and in the third situation, women should be made aware through women-centric programs. Health is a subject that is also greatly affected by changing of environment. There should be only one Nutri-Garden in every KVK. 100 Anganwadi workers should be trained by the KVKs and develop them as master trainers. Identify 10 Anganwadi centers for development of Nutri-Garden through Anganwadi workers. 'Wadi' in Anganwadi means garden. Local grown foods should be given priority, also provide information to local women on how to use them in Nutri-thali. Each KVK should develop maximum 2-3 types of Nutri-thali. 75 biofortified varieties developed by ICAR have been released. It is necessary to get their information and put demonstrations on them. It is also necessary to identify nutrient deficiency in soil, water, animals etc. in the district. For example, if there is no zinc in the soil of an area, then there will be no zinc in any crop there likewise in water and animal based products. Documentation of NARI project should be done so that the work done in this project can be shown at the national level.

Dr. Atar Singh, Director ICAR-ATARI Kanpur narrated that NARI Projects is an important project to eliminate malnutrition in the country. The KVKs should demonstrate fortified varieties of crops and new technologies and inform the local women about the products grown in the Nutri-Garden for round the year availability of vegetables & fruits,

analyze the products which have high amount of nutrients and encourage & train the rural women for use of those products.

Dr. Sadhna Pandey, Principal Scientist (Home Science Extension) conducted the workshop. She said that this is a nutrition-related project, its goal is to eliminate malnutrition among people, especially women and children and improve their nutrition. This project will run in all Krishi Vigyan Kendras. This project is running under the leadership of home scientists in Krishi Vigyan Kendras. Under this Project, setting up of Nutri-Garden in KVK campus and making its information available to farmers, training of anganwadi workers, mapping of nutritious plants and crops, making nutritious plate etc. is important.

In the workshop, Principal Scientist Dr. Shantanu Kumar Dubey, Principal Scientist Dr. Raghwendra Singh from ICAR-ATARI Kanpur and more than 100 KVK Heads & Home Scientists of all KVKs were present and attended the workshop.

